PART-1

उष्ण चक्रवात की उत्पत्ति एवं संरचना

डॉ. राजेश कुमार सिंह, भूगोल विभाग
सर्व नारायण सिंह राम कुमार सिंह महाविद्यालय, सहरसा

ऐसे चक्रवातों में निम्न वायुदाब केंद्र का विस्तार छोटे क्षेत्र में होता है. इसे चक्रवात की आँख कहते है. यहाँ वायुदाब लगभग 920-950 मिलिबार होता है. केंद्र से बाहर की ओर वायुदाब में तुरंत तुरंत परिवर्तन होने के कारण समदाब रेखाएं पास पास होती है. इन्ही कारणों से निम्न वायुदाब केंद्र की और वायु की गति अत्यंत तीव्र होती है. तीव्र चक्रवातों में सामान्य गति 100 किमी प्रति घंटा से अधिक होती है.

उष्ण चक्रवातों की संरचना में समदाब रेखाएं रेखाओं की स्थिति और वायुदाब की दशाओं में शीघ्र परिवर्तन के साथ ही वायु की प्रवाह प्रणाली प्रमुख है. इसमें जटिल वायु प्रवाह प्रणाली पाई जाती है.

निम्न वायुदाब केंद्र की और वायु का तीव्र अंतः प्रवाह निम्न वायुदाब केंद्र के चारो ओर से वायु का तीव्र उपरिमुखी प्रवाह तथा ऊपरी भाग में वायु का तीव्र बहिर्प्रवाह का विकास होता है.